महत्वपूर्ण एवं खास

मंत्रालय की दो बसें आपस में टकराई, अधिकारी-कर्मचारी बाल-बाल बचें, कुछ को आई चोटें

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में आज बड़ा-हादसा होते-होते टल गया जब मंत्रालय नया रायपुर की दो बसें आपस में टकरा गई। इस हादसे में बसों में सवार अधिकारी व कर्मचारी बाल-बाल बच गये। हालांकि कुछ लोगों को चोटें जरूर आई है। मिली जानकारी के अनुसार रोज की तरह आज सुबह करीब 10 बजे भी मंत्रालय की दो बसें अधिकारियों और कर्मचारियों लेकर नया रायपुर जा रही थी। बताया जा रहा है कि दोनों बसें जैसे ही वीआईपी रोड चौक के पास पहुंची तभी दोनों बसें आपस में टकरा गई। हादसे के समय दोनों बसों की रफ्तार कम होने के कारण इस हादसे में सभी अधिकारी-कर्मचारी बाल-बाल बच गये। हालांकि कुछ लोगों को जरूर मामूली चोटें आई है। दोनों बसों में 50 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी सवार थे।

आरक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बीजापुर (आरएनएस)। बीजापुर मुख्यालय के तहसील पारा जनपद स्कूल के पीछे पेड़ में आरक्षक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार मृतक आरक्षक रंजीत अपने परिवार के साथ तहसील पारा निवासी है। बीजापुर पुलिस लाईन में पदस्थ आरक्षक रंजीत ड्युटी करने के बाद घर पहूचा, नशे में होने पर पत्नि से विवाद हुआ इसके बाद में रात्रि गर्मी का बहाना बनाकर घर से बाहर निकला। काफी देर तक घर न आने पर पत्नि खोज खबर करने लगी पति के नही मिलने पर परेशान पत्नि वापस घर लौट आई। सुबह पड़ोसी ने आरक्षक को पेड़ पर लटकते देख घर वालों को सूचना दी। घर वाले आकर देखने पर वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ मृत अवस्था में पाया गया। तत्काल बीजापुर कोतवाली में सूचना दी गई। पुलिस मामले पर घर वालों से पुछताछ कर रही है। मृतक रंजीत झव मूलत-पनारा पारा बालोद का रहने वाला है। मृतक आरक्षक की पत्नि के अलावा दो बच्चे भी हैं।

15 नग सट्टी पट्टी व नगदी 10610 रु. के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी में पुलिस ने सट्टा पट्टी लिखने की सुचना पर अलग-अलग इलाके से दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10610 रुपये नगद व 15 नग सट्टा-पट्टी जब्त की है। मिली जानकारी के अनुसार सट्टा पट्टी लिखने की सुचना पर 1 जून को कोतवाली थाना पुलिस ने मुखबीर की सुचना पर गांधी मैदान कालीबाड़ी में एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 05 नग सट्टा-पट्टी जिसमें विभिन्न नंबरों के अंकों पर रुपये -पैसे का दाव लिखा हुआ मिला तथा नगदी 6310 रुपये व एक डांट पेन बरामद की है। पकड़े गए आरोपी का नाम पुछने पर उसने अपना नाम नानक तनेजा 39 वर्ष पिता स्व. गोपालदास तनेजा निवासी ब्रम्हदेव नगर हाऊसिंगबोर्ड कालोनी लाभाण्डी तेलीबांधा बताया है। इसी तरह मौदहापारा में पुलिस ने जोरापारा में एक व्यक्ति को सट्टा -पट्टी लिखते पाए जाने पर गिरफ्तार कर उसके पास से 4300 रुपये नगदी तथा 10 नग कोरा कागज जिसमें विभिन्न अंकों में रुपये पैसे के दाव लगी हुई है सट्टा-पट्टी व एक डांट पेन जब्त की है। पकड़े गए आरोपी का नाम पुछने पर उसने अपना नाम दुर्गेश राय 21 वर्ष पिता श्यामु राय निवासी ठाकुरदेव मंदिर के पास जोरापारा थाना मौदहापारा बताया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 4(क) के तहत कार्रवाई कर जमानतीय मुचलका पर रिहा कर दिया है।

जीएसटी की राष्ट्रीय काउंसिल की बैठक में टीएस सिंहदेव की मांगों पर देश के सभी राज्यों की सहमति

» केंद्र का नकारात्मक रवैया संघीय ढांचे के खिलाफ है

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना में उपयोगी दवा और उपकरणों को जीएसटी मुक्त करने के छत्तीसगढ सरकार के प्रस्ताव पर निर्णय लेने बनाए गए मंत्रियों की कमेटी में किसी भी कांग्रेस शासित राज्य के प्रतिनिधि को शामिल न करना संघीय प्रणाली और लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ षडयंत्र है।

रोजगार, दवा, इलाज़ के लिए जूझ रही जनता को राहत देने के बजाय मोदी सरकार का पूरा फ ोकस सिर्फ और सिर्फ चंद पूंजीपतियों के मुनाफे और जनता से अधिक टैक्स वसूल कर कमाई में राज्यों को जीएसटी क्षतिपूर्ति में हो रहे नुकसान की भरपाई और क्षतिपूर्ति की अवधि बढ़ाने की मांग पर केंद्र सरकार की उदासीनता, राज्यों के आर्थिक हितों के खिलाफ है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता, सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि प्रदेश के वाणिज्य कर मंत्री टीएस सिंहदेव ने 28 मई 2021 को आहूत जीएसटी काउंसिल की बैठक में कोरोना के इलाज़ में आवश्यक उपकरण और दवाओं पर जीएसटी में राहत देने की मांग की थी, जिस पर देश के लगभग सभी राज्यों की सहमति के बावजूद तत्काल राहत देने के बजाय केंद्र सरकार ने, मंत्रियो के समूह के गठन की बात कह कर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया था।

विदित हो कि वर्तमान में केंद्र सरकार के द्वारा वैक्सीन और मास्क पर 5 प्रतिशत, वेंटीलेटर, ऑक्सीजन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर/जनरेटर, पल्स ऑक्सीमीटर और कोविड टेस्टिंग किट पर 12 प्रतिशत, हैंड सेनीटाइजर, टेम्परेचर टेस्टिंग इंस्ट्रूमेंट, पोर्टेबल हॉस्पिटल यूनिट, आरटी -पीसीआर मशीन, आर-एन-ए निष्कर्षण मशीन पर 18 प्रतिशत और एंबुलेंस पर 28 प्रतिशत जीएसटी वसूला जा रहा है, जो पूरी तरह से अव्यावहारिक और अन्याय पूर्ण है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि जीएसटी काउंसिल की बैठक में छत्तीसगढ़ के वाणिज्यकर मंत्री सिंहदेव ने जीएसटी क्षतिपूर्ति की अवधि 5 साल और बढ़ाने का अनुरोध किया। साथ ही एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल को जीएसटी की बजाय वैट के दायरे में रखने की मांग की, इस पर भी देश के लगभग सभी राज्यों के मंत्रियों की सहमति के बावजूद कोई भी फैसला नहीं लिया गया। सिंहदेव ने जीएसटी क्षतिपूर्ति की अवधि बढ़ाने के अपनी मांग के समर्थन में कहा कि पिछले साल 1335.51 करोड़ का नुकसान छत्तीसगढ़ को क्षतिपूर्ति मद में हुआ है और तय है कि इस साल इससे ज्यादा ही नुकसान होगा। अतः राज्यों के आर्थिक हित के लिए यह आवश्यक है कि क्षतिपूर्ति की अवधि 5 साल और बढ़ाया जाए।

प्रदेश को जनवरी 2021 से लेकर अब तक कोविशिल्ड एवं कोवैक्सीन की कुल 77 लाख 89 हजार 110 डोजेज प्राप्त हुआ

- कोविशिल्ड 22 खेपों में 72 लाख 22 हजार 810 डोज
- कोवैक्सीन 08 खेपों में सिर्फ 05 लाख 66 हजार 300 डोज

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश को जनवरी 2021 से लेकर अब तक 22 खेपों में 72 लाख 22 हजार 810 डोज कोविशिल्ड वैक्सीन की प्राप्त हुई है, वहीं जनवरी से अब तक 08 खेपों में सिर्फ 05 लाख 66 हजार 300 डोज कोवैक्सीन प्राप्त हुई है। इस प्रकार दोनों वैक्सीन के कुल 77 लाख 89 हजार 110 डोजेज प्राप्त हुई है।

18-44 वर्ष आयु समूह के लिये अब तक 7 लाख 97 हजार 110 डोज प्राप्त हुई है जिसमें 1.5 लाख कोवैक्सीन डोज 1 मई 2021 को, 3.5 लाख डोज कोविशील्ड वैक्सीन 8 मई 2021 को एवं 2 लाख 97 हजार 110 डोज कोविशील्ड वैक्सीन 15 मई 2021 को प्राप्त हुई है। 18 -44 वर्ष आयुवर्ग के लाभार्थियों का अब तक करीब 7 लाख 89 हजार 690 टीकाकरण (कोवैक्सीन एवं कोविशील्ड वैक्सीन) किया जा चुका है।

प्रदेश में औसत रिकवरी दर 95 प्रतिशत हुई

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में संक्रमित मरीजों की संख्या में पिछले सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। दूसरे लॉकडाउन के दौरान लगातार जन-जागरूकता अभियान का यह नतीजा है, जहां लोगों ने 45+एवं 18+ के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक कोरोना का टीका लगवाया वहीं कोरोना गाईडलाईन का उल्लंघन होने के बाद भी प्रदेश में औसत रिकव्हरी दर 95 प्रतिशत होना कोरोना के खात्मे की दिशा में शुभ संकेत है। प्रदेश में पिछले सप्ताह (16 से 24 मई) की तुलना में कोविड संक्रमण से रिकवरी दर 3 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले सप्ताह यह 92 प्रतिशत थी जबकि 31 मई की स्थिति में यह 95 प्रतिशत हो गई है। 25 जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक रिकवरी दर दर्ज की गई है। सुकमा व राजनांदगांव में 98-98, दुर्ग, रायपुर व बिलासपुर में 97-97, कबीरधाम, कांकेर, बालोद, कोरबा, दंतेवाड़ा व बेमेतरा में 96-96 प्रतिशत रिकवरी दर दर्ज की गई।

कोविड प्रबंधन के लिए जिला कलेक्टरों और अन्य विभागों को अब तक दिए गए 77.51 करोड़

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर कोरोना महामारी की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से जिला कलेक्टरों, परिवहन सहित अन्य विभागों को मार्च 2020 से 31 मई 2021 तक की अवधि में कुल 77 करोड़ 51 लाख 44 हजार 446 रूपए की राशि उपलब्ध कराई गई है। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री सहायता कोष में दानदाताओं से मार्च 2020 से मई 2021 तक की अवधि में कुल 86 करोड़ 44 लाख 85 हजार 622 रूपए की राशि प्राप्त हुई है तथा बचत राशि को मिलाकर खाते में कुल जमा 88 करोड़ 47 लाख में से 77 करोड़ 51 लाख रूपए जिलों एवं अन्य विभागों को कोरोना संक्रमण से बचाव एवं प्रबंधन के लिए दिया गया है। वर्तमान स्थिति में मुख्यमंत्री सहायता कोष के बचत खाते में 10.97 करोड़ रूपए तथा सावधि खाते में 47 करोड़ 59 लाख रूपए को मिलाकर कुल 58.56 करोड़ रूपए जमा हैं।

छत्तीसगढ़ में मानसून का आगमन 10 तक

रायपुर (आरएनएस)। केन्द्रीय मौसम विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार मानसून अनुकूल परिस्थितियों के निर्मित होने के कारण तीन जून को तय तिथि के अनुसार केरल तट से टकराएगा। केरल में प्री मानसून वर्षा होनी आरंभ हो गई है। इस वर्ष मानसून सामान्य रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। वहीं बस्तर के रास्ते परंपरा अनुसार इस वर्ष भी मानूसन छत्तीसगढ़ में 10 जून तक प्रवेश करेगा। नवतपा का आखिरी दिन होने के कारण आज सुबह से ही शहर का मौसम तापमान घटने के कारण उमस से भरा हुआ है। छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री 10 जून तक हो सकती है. इससे पहले प्री मानसून में झमाझम बारिश की आशंका जताई गई है. मंगलवार को मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर सहित 14 जिलों में अगले 4 घंटों के अंदर तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है. इसके साथ ही कुछ इलाकों में अंधड़ के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है. रायपुर, सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर, दुर्ग, कोरबा, गरियाबंद, महासमुंद, बलौदाबजार, सहित कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून को बस्तर में मानसून प्रवेश की पूरी संभावना जताई है।

मानव ने बड़ी-बड़ी आपदाओं पर विजय प्राप्त की है, कोरोना पर भी करेंगे : उइके

» राज्यपाल युवा चेतना संस्था द्वारा "कोरोना और ग्रामीण भारत" विषय पर आयोजित वेबिनार में हुई शामिल

रायपुर (आरएनएस)। हमें इस समय आत्मबल और संयम की आवश्यकता है। लोगों के मन में कोरोना को लेकर भय की स्थिति है। लोगों को भयमुक्त करें और जागरूक करें। यह याद रखें कि मानव ने बड़ी-बड़ी बीमारियों और विपदा का सामना किया है और विजय भी प्राप्त की है। अभी मानसिक स्वास्थ्य बेहतर करने की ज्यादा आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एकजुटता और दृढ़ इच्छाशक्ति से इसका सामना करते हुए कोरोना संक्रमण को हराने का आह्वान किया है। निश्चित ही इस बीमारी पर हम विजय प्राप्त कर सकेंगे। यह बात राज्यपाल अनुसुईया उइके ने आज युवा चेतना संस्था द्वारा ''कोरोना और ग्रामीण भारत'' विषय पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में शुरूआत में स्थिति गंभीर थी। उस समय शासन प्रशासन ने एकजुट होकर प्रयास किया और आज प्रदेश में कोरोना संक्रमण की द्वितीय लहर पर नियंत्रण की स्थिति में आ रही है।

राज्यपाल ने युवा चेतना संस्था के संयोजक रोहित सिंह एवं संस्था के सदस्यों द्वारा कोरोना संक्रमण के दौरान किए गए कल्याणकारी कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के कमजोर होने के बाद सभी निश्चिंत हो गये थे कि कोरोना चला गया। परन्तु धीरे-धीरे कोरोना संक्रमण ने फिर से पैर पसारना शुरू किया और संक्रमण एक झंझावत के रूप में सामने आया। यह शहरों में अपना भयानक रूप दिखाया। धीरे-धीरे यह गांव की ओर बढ़ना शुरू किया और कई गांवों में फैल गया। चूंकि गांवों में जागरूकता के अभाव में इस संक्रमण के प्रति ग्रामीण अनभिज्ञ थे और कोरोना से बचाव के नियमों को अनदेखी करते रहे। शुरूआत में इसके लक्षणों को गंभीरता से नहीं लिया और संक्रमण फैलता गया।

उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी पिछले दिनों हुई बैठक में इसे अदृश्य दुश्मन करार देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक जांच करने और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया था। देश के आधे से अधिक जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः हमें गांवों में अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। हालांकि कई गांव ऐसे भी हैं जहां पर संक्रमण पहुंच नहीं पाया क्योंकि वहां के लोग इतने जागरूक हैं कि उन्होंने बेरिकेट लगाकर बाहरी लोगों की आवाजाही रोकी और पर्याप्त सावधानी बरती।

नाबालिग को लखनऊ भगा ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, जेल दाखिल

बेमेतरा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के दाढी थाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसा कर उसे लखनऊ भगा ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना दाढी के गांव में रहने वाली नाबालिग लड़की को अपने प्यार के जाल में फंसा कर आरोपी यशवंत ऊर्फ संजय यादव पिता बुधारू यादव 19 वर्ष उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के थाना ठाकुरगंज के मल्लाहीटोला ले गया था, जहां आरोपी ने लड़की की मांग में सिंदूर भरकर उससे शादी रचाने का नाटक कर एक किराये के मकान में रहकर उसके साथ कई बार जबरदस्ती बलात्कार किया। इधर आरोपी और लड़की की तलाश कर रही पुलिस को दोनों के लखनऊ में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़िता को उसके परिजनों के सुपुर्द किया। पीड़िता के बयान के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 366, 376 (2) भादवि 6,12 पाक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश कर उसे जेल दाखिल कर दिया है।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को... अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेगा आक्सीजन में वृद्धि -प्रो. डॉ. आलोक

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के दौरान आज जिस प्रकार से आक्सीजन सिलेंडर को लेकर कमी के चलते लगातार काला बाजारी हो रही है उसका मुख्य कारण प्रदेश एवं देश में कटते वन है। अधिक से अधिक वृक्षारोपण ही आक्सीजन में वृद्धि कर मानव एवं प्राणी मात्र के लिए वरदान सिद्ध होगा। उक्ताशय के विचार दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राणीशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. आलोक मिश्रा ने व्यक्त किये। डॉ. मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि आज जिस तरीके से प्रकृति के साथ मनुष्य ने छेड़छाड़ की है उसका ही नतीजा है कि जीवन बचाने के लिए आक्सीजन की कमी पड़ रही है। प्राणीशास्त्र का प्रोफेसर होने के नाते डॉ. मिश्रा का मत है कि सघन वन के लिए वृक्षारोपण ही मानव को सभी प्रकार की बीमारियों से मुक्ति देगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने पांच जून को प्रतिवर्ष की तरह रस्म अदायगी वृक्षारोपण न कर महामारी के परिप्रेक्ष्य में हर आम नागरिक से अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में कम से कम 10 वृक्ष का पौधारोपण करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि आज आक्सीजन की मारामारी के चलते मानव जीवन संकट में पड़ गया है। उक्त दौर में जब कम आयु में ही अधिकतर लोग कोरोना पाजीटिव मर्ज का शिकार होकर समय से पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो रहे है तब उक्त स्थिति में सघन वनों का निर्माण ही मनुष्य के प्राण बचाने में अपनी अहम भूमिका अदा कर सकता है।

अज्ञात बाईक सवार मोबाईल झपटकर भागे, मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। बात कर रहे व्यक्ति का अज्ञात बाईक सवार मोबाईल झपटकर भाग गए। मामले की रिपोर्ट आजाद चौक थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार रामसागरपारा आजाद चौक निवासी हर्ष अग्रवाल 23 वर्ष पिता शरद अग्रवाल ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि प्रार्थी अनाज दलाली का काम करता है। 29 मई को रात 12 बजे के करीब प्रार्थी बंगाली चाय नेमीचंद गली में खड़े होकर मोबाईल पर बात कर रहा था तभी पीछे से होण्डा डियों काले रंग की बाईक में तीन व्यक्ति राठौर चौक की तरफ से आते हुए मोबाईल छीनकर भाग गए गाड़ी नंबर नही देख पाया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुं सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

कोष लेखा एवं पेंशन से पीपीओ सेवानिवृत्ति तिथि के 7 दिन पहले जारी हो

» पीपीओ जारी करने का अधिकार जिला कोषालय को देने की मांग

» आभार एप 1साल से अपडेट नहीं

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य में सेवानिवृत्त होनेवाले कर्मचारियों के पीपीओ(पेंशन पमेन्ट आर्डर) हर हाल में सेवानिवृत्ति तिथि के 7 दिन पहले जारी करने एवं सँयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन कार्यालय से पीपीओ जारी करने के अधिकार को हटाकर जिला कोषालय को देने,साथ ही वित्त विभाग के द्वारा 3 वर्ष पूर्व शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आवश्यक जानकारी के लिये जारी लगभग 1 साल से निष्क्रिय आभार एप को तुरन्त अपडेट करने की मांग जारी विज्ञप्ति में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री तथा छत्तीसगढ़ राज्य संयुक्त पेंशनर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने की है।

जारी विज्ञप्ति में उन्होंने आगे बताया है कि वर्तमान में पीपीओ जारी करने का अधिकार केवल रायपुर,दुर्ग,जगदलपुर, अम्बिकापुर और बिलासपुर स्थित कार्यालय सँयुक्त संचालक कोष लेखा व पेंशन को है, वे अपने अधीनस्थ राजस्व जिले के अधिकारियों- कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने पर पेंशन आदायगी के लिये पीपीओ जारी करते हैं, कार्य की अधिकता, स्टाफ की कमी के चलते कुछ ऐसे पेंशनरों को छोड़कर जिनका एप्रोच है, बाकी किसी भी पेन्शनर का पीपीओ सेवानिवृत्ति के पहले जारी करने के निर्देश के बावजूद जारी नही होता।इसके लिये जिलो से सम्बंधित विभाग के अमले और सम्बंधित सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दूरस्थ जिले से वहाँ पहुंचकर प्रकरण बारे में जानकारी लेने में होंनेवाली परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। इसलिए परेशानियों को देखते हुए पीपीओ जारी करने का अधिकार सभी जिलों में जिला कोषालय को देने हेतु मांग की है।

जारी विज्ञप्ति में उन्होंने आगे बताया है कि सेवानिवृत्ति के पूर्व पीपीओ जारी करने के लिये रिटायर होने वाले प्रतिभागी के विभाग और ट्रेजरी को समय सीमा में कार्य संधारित करने के निर्देश का कहीं पालन नही हो रहा है,इस पर कोई समीक्षा भी नहीं हो रही है। ऊपर से नीचे तक सब भूल गए हैं और इसी कारण विभाग और ट्रेजरी के बीच अनेक पेन्शनर आज भी अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में चक्कर से काटने के लिये मजबूर हैं और उनकी समस्या पर कोई भी गंम्भीर नही है और पीपीओ जारी होने में कई बहानेबाजी में महीनों गुजर जाते हैं और फिर अंत मे पेन्शनर को थकहार कर दलालों के फेर मे फँस कर पीपीओ से प्राप्त होने वाली जमा पूंजी में सौदा करने को तैयार होना पड़ता हैं।